भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3131

दिनांक 09 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

मध्य प्रदेश में कैंसर रोगी

3131. श्री भारत सिंह कुशवाह:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश के ग्वालियर, चंबल और सागर संभागों में कितने व्यक्ति कैंसर रोग से पीड़ित हुए हैं;
(ख) कैंसर रोगियों की संख्या में वृद्धि के क्या कारण हैं;
(ग) सरकार द्वारा देश में कैंसर की रोकथाम के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और
(घ) क्या देश में कैंसर के मामलों में वृद्धि के कारणों का पता लगाने हेतु स्थानीय स्तर पर कोई अनुसंधान केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): आईसीएमआर के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार, विगत तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश राज्य में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या निम्नानुसार है;

मध्य प्रदेश में कैंसर के मामलों की अनुमानित घटना- सभी स्थल- (2020-2022 (स्त्री-पुरूष दोनों)			
राज्य	**2020**	**2021**	**2022**
मध्य प्रदेश*	42966	44056	45176

*ग्वालियर, चंबल और सागर मंडल सहित

आईसीएमआर ने बताया है कि जीवन प्रत्याशा में वृद्धि, वृद्धजन जनसंख्या में वृद्धि, स्वास्थ्य के प्रति अपेक्षाकृत अधिक सजगता और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार के अलावा कैंसर का पता लगाने के लिए

बेहतर नैदानिक तकनीकों की सुलभता और उपलब्धता ने भारत में कैंसर के मामलों की संख्या में वृद्धि में योगदान दिया है।

भारत सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत कैंसर (तीन सामान्य कैंसर यानी मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा) आदि सहित प्रमुख एनसीडी को रोकने और नियंत्रित करने के उद्देश्य से सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निवारण और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) को लागू करती है। कार्यक्रम का फोकस अवसंरचना को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन, शीघ्र निदान, प्रबंधन और स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों के उचित स्तर पर रेफरल पर है। एनपी-एनसीडी के तहत, जिला स्तर पर 753 एनसीडी क्लीनिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्तर पर 6238 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

एनएचएम के तहत देश में सामान्य गैर-संचारी रोगों के निवारण, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को सामान्य गैर-संचारी रोगों यानी मधुमेह, उच्च रक्तचाप और तीन सामान्य कैंसर यानी मुंह, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच के लिए लक्षित किया जाता है। इन सामान्य गैर-संचारी रोगों की जांच आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सेवा वितरण का अभिन्न अंग है।

एनपी-एनसीडी, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार कैंसर सहित एनसीडी के लिए जागरूकता सृजन कार्यकलापों के लिए एनएचएम के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करके कैंसर के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए अन्य पहलों में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस, विश्व कैंसर दिवस मनाना शामिल है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफ़एसएसएआई) 'ईट राइट इंडिया मूवमेंट' के माध्यम से स्वस्थ भोजन को बढ़ावा दिया जाता है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा फिट इंडिया अभियान को क्रियान्वित किया जाता है। आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न कार्यकलाप आयोजित किए जाते हैं।

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग ने राज्य सरकार के मेडिकल कॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों और मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयों (एमआरएचआरयू) में बहुविषयक अनुसंधान इकाइयों (एमआरयू) की स्थापना करके देश भर में स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए 100% केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित अवसंरचना विकास योजना शुरू की है।

*****